

Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
M.B.R.R.V.Pd. College, Ara

सिगमंड फ्रायड का मनोविश्लेषण के संस्थापक के रूप में योगदान

(Contribution of Sigmund Freud as Founder of Psychoanalysis)

भूमिका (Introduction)

सिगमंड फ्रायड (1856–1939) को मनोविश्लेषण का जनक (Father of Psychoanalysis) माना जाता है। उन्होंने मानव व्यवहार, व्यक्तित्व और मानसिक विकारों की व्याख्या के लिए एक नवीन, गहन और क्रांतिकारी सिद्धांत प्रस्तुत किया। फ्रायड का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने अचेतन मन (Unconscious Mind) को मनोविज्ञान के केंद्र में स्थापित किया।

1. अचेतन मन की अवधारणा (Concept of Unconscious Mind)

फ्रायड के अनुसार मानव मन तीन स्तरों में कार्य करता है—

- चेतन (Conscious) – वर्तमान में जो विचार और अनुभूतियाँ हमारी जागरूकता में हैं।
- अवचेतन (Preconscious) – वे स्मृतियाँ जो अभी सक्रिय नहीं हैं, पर आसानी से चेतन में लाई जा सकती हैं।
- अचेतन (Unconscious) – दबी हुई इच्छाएँ, वासनाएँ, भय और संघर्ष

योगदान:

- मानसिक रोगों का कारण केवल शारीरिक नहीं बल्कि अचेतन संघर्ष हैं।
- अचेतन इच्छाएँ व्यवहार को नियंत्रित करती हैं।

2. मन की संरचना का सिद्धांत (Structural Model of Mind)

(i) इड (Id)

- जन्म से विद्यमान
- आनंद सिद्धांत (Pleasure Principle) पर कार्य करता है
- जैविक और यौन इच्छाओं का स्रोत



(ii) ईगो (Ego)

- यथार्थ सिद्धांत (Reality Principle) पर कार्य
- इड और बाह्य जगत के बीच संतुलन

(iii) सुपर ईगो (Super Ego)

- नैतिकता और सामाजिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व
- आदर्श आत्म (Ideal Self) और दंडात्मक आत्म (Conscience)

योगदान:

- व्यक्तित्व को गतिशील संरचना के रूप में समझाया
- मानसिक संघर्षों की वैज्ञानिक व्याख्या दी

3. मनो-लैंगिक विकास का सिद्धांत (Psychosexual Development Theory)

फ्रायड के अनुसार व्यक्तित्व विकास पाँच अवस्थाओं में होता है—

- 1) मुख अवस्था (Oral Stage) – 0-1 वर्ष
- 2) गुदा अवस्था (Anal Stage) – 1-3 वर्ष
- 3) लैंगिक अवस्था (Phallic Stage) – 3-6 वर्ष
 - a) ओडीपस ग्रंथि (Oedipus Complex)
 - b) इलेक्ट्रा ग्रंथि (Electra Complex – बाद में जोड़ा गया)
- 4) निष्क्रिय अवस्था (Latency Stage) – 6-12 वर्ष
- 5) जननेंद्रिय अवस्था (Genital Stage) – किशोरावस्था के बाद

योगदान:

- बाल्यावस्था को व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला माना
- न्यूरोसिस को विकासात्मक अवरोध से जोड़ा



4. रक्षा यंत्रों की अवधारणा (Defense Mechanisms)

ईगो मानसिक तनाव से बचने के लिए रक्षा यंत्रों का प्रयोग करता है—

- दमन (Repression)
- प्रक्षेपण (Projection)
- प्रत्यावर्तन (Regression)
- तर्कसंगतकरण (Rationalization)
- विस्थापन (Displacement)
- उदात्तीकरण (Sublimation)

योगदान:

- सामान्य और असामान्य व्यवहार के बीच अंतर को स्पष्ट किया।
- मानसिक रोगों की समझ को गहराई दी।

5. स्वप्न विश्लेषण (Dream Analysis)

फ्रायड के अनुसार—

“Dream is the royal road to the unconscious.”

- प्रकट विषयवस्तु (Manifest Content) – जो स्वप्न में दिखाई देता है।
- गुप्त विषयवस्तु (Latent Content) – दबी हुई इच्छाएँ

योगदान:

- स्वप्नों को वैज्ञानिक अध्ययन का विषय बनाया।
- अचेतन तक पहुँचने की तकनीक दी।

6. मुक्त साहचर्य विधि (Free Association Technique)

इस विधि में रोगी को बिना रोक-टोक अपने विचार व्यक्त करने को कहा जाता है।



योगदान:

- अचेतन संघर्षों को उजागर करने की प्रभावी तकनीक
- मनोचिकित्सा की आधारशिला

7. मनोविश्लेषणात्मक चिकित्सा (Psychoanalytic Therapy)

मुख्य तकनीकें—

- मुक्त साहचर्य
- स्वप्न विश्लेषण
- स्थानांतरण (Transference)
- प्रतिरोध (Resistance)

योगदान:

- टॉकिंग क्योर (Talking Cure) की शुरुआत
- मानसिक विकारों के उपचार का नया मार्ग

8. व्यक्तित्व सिद्धांत में योगदान (Contribution to Personality Theory)

- व्यक्तित्व को गतिशील और संघर्षात्मक माना
- प्रेरणा में लैंगिक और जैविक शक्तियों की भूमिका

9. आलोचना के बावजूद महत्व (Importance Despite Criticism)

आलोचनाएँ—

- अतिरंजित यौन बल
- वैज्ञानिक सत्यापन की कमी



- पुरुष-केन्द्रित दृष्टिकोण

फिर भी महत्व—

- आधुनिक नैदानिक मनोविज्ञान की नींव
- बाद के सिद्धांतकार—जंग, एडलर, एरिक्सन प्रभावित

10. निष्कर्ष (Conclusion)

सिगमंड फ्रायड ने मनोविज्ञान को सतही व्यवहार के अध्ययन से निकालकर मन के गहन स्तरों तक पहुँचाया। उन्होंने यह सिद्ध किया कि मानव व्यवहार केवल चेतन निर्णयों का परिणाम नहीं, बल्कि अचेतन संघर्षों की अभिव्यक्ति है। इस प्रकार फ्रायड का योगदान मनोविश्लेषण ही नहीं, संपूर्ण मनोविज्ञान के इतिहास में अद्वितीय है।

